तजेंद्र सिंह लूथरा ने प्रस्तुत की अपनी कविताएं

वैभव न्यूज ■ नई दिल्ली

साहित्य अकादेमी के साहित्य मंच कार्यक्रम में हिंदी कवि तजेंद्र सिंह लूथरा के एकल काव्य पाठ का आयोजन किया गया। लूथरा ने अपने कविताओं के साथ ही अपनी रचना प्रक्रिया को साझा किया। उन्होंने बताया कि सन 2008 में घटित 26/11 घटना ने उनको विचलित किया और तब उन्होंने अपनी जो कविता लिखी उसे काफी पसंद किया गया और सराहा गया और तभी से उनका कविता लिखना नियमित हुआ। उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में बताया कि कवि वह महत्तवपूर्ण होता है जो समसामयिक घटनाओं से भी उन तत्वों को चुनकर उस वेदना को पकड़ता है, जो वर्षों बाद भी लोगों को अपने समय की सामयिकता से जोड़ती है। उन्होंने अपने कविता-संग्रह एक नया ईश्वर के साथ ही शीघ्र ही प्रकाशित होने वाले अपने तीसरे कविता-संग्रह प्लेटफॉर्म से आती आवाजें से भी अनेक कविताएं सुनाईं। उनकी कविताओं में कुछ छोटी कविताएं और कुछ लंबी कविताएं भी थीं। इन कविताओं के स्वर जहां हमारी नियति और कर्मयोग के बीच के द्वंद्व को व्यक्त करने वाले थे, वहीं आम आदमी की परेशानियों को भी प्रस्तुत करने वाले थे। उनके द्वारा सुनाई गई कुछ कविताओं के शीर्षक थे।